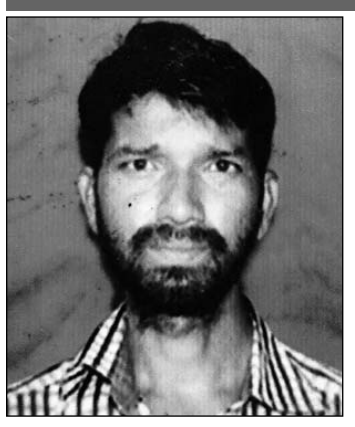
थार गाड़ी से कुचलकर युवक की हत्या!

परिजनों का आरोप है कि कार चालक ने थार से टक्कर मारने के बाद दुबारा गाड़ी पीछे लेकर कुचला



मृतक गणेश स्वामी





थार गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत के बाद रोते-बिलखते परिजनों ने सड़क पर धरना देकर विरोध जताया। उधर पुलिस अधिकारियों ने सड़क जाम करके बैठे परिजनों और स्थानीय लोगों से समझाइश करके देर शाम मामला शांत कराया। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के नाहरी का नाका स्थित स्वामी बस्ती में गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार थार की टक्कर से 40 वर्षीय गणेश स्वामी की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि थार चालक ने पहले पैदल जा रहे गणेश को टक्कर मारी और इसके बाद गाड़ी को पीछे लेकर उन्हें कुचल दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस वारदात के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव रखकर धरना दिया और आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने थार गाड़ी जब्त कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

एडिशनल डीसीपी उत्तर बजरंग सिंह के अनुसार स्वामी बस्ती निवासी गणेश स्वामी गुरुवार दोपहर करीब एक बजे अपने घर के पास पैदल जा रहे थे। वह अपनी बहन ललिता के घर पानी पीने गए थे। वहां से लौटते समय पीछे से आई तेज रफ्तार थार ने उन्हें टक्कर मार दी। परिजनों का आरोप है कि टक्कर लगने के बाद चालक ने गाड़ी रोकने या घायल की मदद करने के बजाय थार को बैक किया और गणेश के ऊपर से चढा दिया। गंभीर चोटें लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

- **शास्त्री नगर क्षेत्र स्थित नाहरी का नाका इलाके की घटना, परिजनों ने सड़क पर शव रखकर धरना दिया**
- **उधर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर थार गाड़ी जब्त करके दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है।**

इस घटना के बाद बहन ललिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। उन्होंने बताया कि भाई उनके घर से पानी पीकर निकला ही था कि कुछ ही पलों में यह हादसा हो गया। वह और उनका चचेरा भाई आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे तो गणेश के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें थीं।

धरने के दौरान ललिता ने आक्रोश जताते हुए कहा, मेरे भाई के हत्यारे की लाश मेरी गोद में दे दो, जैसे मैं अपने भाई की लाश को गोद में लेकर बैठी हूं। परिजनों ने घटना को सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए इसे जानबूझकर की गई हत्या बताया।

वहीं गणेश के परिवार की कहानी भी बेहद मार्मिक है। उनके चाचा वेदप्रकाश सोलंकी ने बताया कि गणेश से पहले परिवार में 18 बच्चे जन्मे थे, लेकिन उनमें से कोई जीवित नहीं बचा। गणेश के जन्म पर परिवार ने खुशियां मनाई थीं।

गणेश मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी आशा (39), बेटा सन्नी (15) और बेटी मोनिका (12) हैं। परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य की मौत से पत्नी और बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एडिशनल डीसीपी उत्तर ने बताया कि हादसे में गणेश स्वामी की मौत हुई है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त थार गाड़ी जब्त कर ली है। बंधा बस्ती निवासी शाहरुख और अरशद को डिटेन किया गया है। मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वहीं हालात को देखते हुए पांच थानों का पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस अधिकारी धरने पर बैठे परिजनों और स्थानीय लोगों को समझाइश देते रहे तथा कार्रवाई का भरोसा दिलाया। देर शाम करीब 7:15 बजे धरना समाप्त हुआ।

नशे की लत के लिए पर्स लूटने वाले बदमाश दबोचे

जयपुर.। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने राह चलते लोगों और अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर पर्स छीनने की वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाश और उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई ज्वेलरी, छह मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई लाल रंग की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पर्स और मोबाइल छीनने की 50 से अधिक वारदातों को अंजाम दे चुका है। आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए आपराधिक वारदातें करता था, जबकि उसका साथी लूटे गए सामान को खरीदकर आगे खपाने का काम करता था। डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार मुख्य आरोपी शरीफ उर्फ सोनू उर्फ जट्टुल (28) निवासी मनोहरपुर हाल खोरा बीसल है। वहीं दूसरे आरोपी की पहचान दिलीप कुमार (28) निवासी किंजर जिला अरवल (बिहार) हाल खोरा बीसल के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी शरीफ के खिलाफ विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार 9 नवंबर 2026 को परिवादिया सोनू शर्मा पत्नी चंदन शर्मा ने मुरलीपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि वह पथ नंबर सात, मुरलीपुरा स्थित दीपा ब्यूटी पार्लर से बाहर निकल रही थीं। इसी दौरान लाल रंग की तेज रफ्तार बाइक पर सवार होकर आए बदमाश ने उनके हाथ से भूरे रंग का लेडीज पर्स छीन लिया और मौके से फरार हो गया। पर्स में मूल दस्तावेज, सोने की दो अंगूठियां, एक सोने की चेन, 25 हजार रुपए नकद और एक मोबाइल फोन रखा हुआ था। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। डीसीपी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेन्द्र कुरील के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और आरोपियों की गतिविधियों के आधार पर जांच की गई। पुलिस ने फुटेज के जरिए मुख्य आरोपी की पहचान कर उसे दस्तयाब किया। पूछताछ में सामने आया कि शरीफ पर्स और मोबाइल छीनने की वारदातों को अंजाम देता था तथा लूटा गया सामान अपने साथी दिलीप कुमार को बेच देता था। इस पर पुलिस ने दिलीप को भी गिरफ्तार कर लिया।

जमीन-कंपनी विवाद में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जमीन की खरीद-फरोख्त और कंपनी में हिस्सेदारी व इस्तीफे पर फर्जी हस्ताक्षर से जुड़े मामले में पूजा मोरदिया, महेश मोरदिया और राजेश सैनी की गिरफ्तारी पर अनुसंधान में सहयोग करने की शर्त पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने जांच अधिकारी को तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश पूजा मोरदिया व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुमन शर्मा ने कहा कि महेश मोरदिया ने 11 अक्टूबर 2018 को 2.83 हेक्टेयर जमीन 99.88 लाख रुपए में व्यक्तिगत रूप से खरीदी थी। इसके बाद होटल-रिसॉर्ट विकसित करने के उद्देश्य से 21 जुलाई 2022 को कंपनी का गठन किया गया और यह जमीन कंपनी को 45.50 लाख रुपए में बेच दी गई। परियोजना विकसित नहीं होने पर परिवादी ललित शुक्ला ने कथित तौर पर 24 अप्रैल 2026 को कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। कंपनी के सीए ने इसे आरओसी के पोर्टल पर अपलोड भी किया था। वहीं बाद में परिवादी ने इस्तीफे पर अपने हस्ताक्षर फर्जी होने का आरोप लगाते हुए आरओसी कार्यालय और एनसीएलटी में कार्रवाई की।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन का सौदा कर 69.50 लाख रु. ठगने वाले गिरफ्तार

जयपुर। बनीपार्क थाना पुलिस ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जमीन का सौदा करने तथा परिवादी से 69 लाख 50 हजार रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने फुलेरा की जमीन की वास्तविक खातेदार महिला की पुत्रवधू बनकर फर्जी आधार कार्ड के जरिए इकरारनामा किया था।



बनीपार्क पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों से जमीन का सौदा करके 69.50 लाख रुपए ठगने वाले गिरोह के 4 लोगों को गिरफ्तार किया।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि विद्याधर नगर निवासी माधोसिंह कविया ने इस्तगासे के जरिए मामला दर्ज कराया था। परिवादी के अनुसार ग्राम फुलेरा स्थित खसरा नंबर 199/1037, रकबा 3.4394 हेक्टेयर खातेदारी भूमि का सौदा उनके पक्ष में तय हुआ था। आरोपियों ने कूटरचित दस्तावेज और फर्जी आधार कार्ड के आधार पर नर्बदाबाई नामक महिला को जमीन की मालकिन बताकर इकरारनामा किया और अलग-अलग समय पर उनसे 69.50 लाख रुपए प्राप्त कर लिए। पुलिस जांच में सामने आया कि जिस नर्बदाबाई को जमीन की मालकिन बताया गया था, वास्तविकता में उसका उस भूमि से कोई लेना-देना नहीं था। आरोपियों ने षड्यंत्रपूर्वक फर्जी आधार कार्ड तैयार कर जमीन का सौदा किया। जांच के बाद बनीपार्क थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रिंकू देवी ने खुद को फुलेरा की वास्तविक खातेदार नर्बदा देवी, पत्नी स्वर्गीय दामोदर लाल शर्मा की पुत्रवधू बताया। उसने फर्जी आधार कार्ड तैयार कर अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 16 अप्रैल 2024 को परिवादी के साथ 81 लाख 69 हजार 596 रुपए में इकरारनामा किया। इस दौरान आरोपियों ने परिवादी से कुल 69 लाख 50 हजार रुपए ऐंठ लिए। पुलिस ने मामले में रिंकू देवी (30) पत्नी हंसराज निवासी सांभर, रामस्वरूप वर्मा (55) पुत्र छोटूराम निवासी रेनवाल, हाल किरायेदार फुलेरा, पप्पू राम वर्मा (38) निवासी मोरूदा, थाना नरैना और अरविन्द सिंह (35) निवासी फुलेरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य लोगों और ठगी से जुड़ी जानकारियां जुटा रही है।

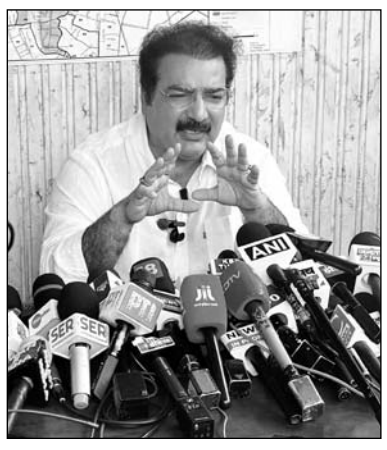
जयपुर में कब-कहां किसकी हत्या हो जाए, पता नहीं : खाचरियावास

उन्होंने दावा किया कि जयपुर में 40 से ज्यादा गैंग सक्रिय हैं और राजधानी में हत्या, लूट, चोरी, अपहरण व वसूली की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं

जयपुर। करधनी थाना इलाके में हिस्ट्रीशीटर की गैंगवार में हुई हत्या के बाद प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सियासत गरमा गई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि जयपुर में 40 से ज्यादा गैंग सक्रिय हैं और राजधानी में हत्या, लूट, चोरी, अपहरण व वसूली की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग भी है, ऐसे में प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी से वे कैसे बच सकते हैं।

खाचरियावास ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों की सुरक्षा करना सरकार के लिए अलग बात है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल आम आदमी की सुरक्षा का है। आज जयपुर में न दुकानदार सुरक्षित है, न व्यापारी और न ही आम परिवार। कब, कहां और किसकी हत्या हो जाए, किसी को पता नहीं है। वारदात के बाद पुलिस कुछ समय सक्रिय दिखाई देती है, फिर दूसरी घटना हो जाती है। करधनी में हिस्ट्रीशीटर की हत्या कोई पहली घटना नहीं है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

पूर्व मंत्री खाचरियावास ने आरोप लगाया कि राजस्थान की जेलों में बंद अपराधी भीतर बैठकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलवा रहे हैं। प्रदेश में खुलेआम वसूली का खेल चल रहा है और माफिया बेखौफ घूम रहे हैं। सोशल मीडिया पर गैंग बनाने और गैंग के नाम से पोस्ट डालने का सिलसिला जारी है, लेकिन पुलिस की प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर पुलिस क्या कर रही है? पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है और अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया है।



पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास

थानों में जाने से डरता है आम आदमी

खाचरियावास ने पुलिस के व्यवहार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जयपुर के थानों में जाने से आम आदमी डरता है। शिकायत लेकर पहुंचने वाले लोगों के साथ पुलिस का व्यवहार उचित नहीं होता।

उन्होंने आरोप लगाया कि पत्रकारों के साथ भी पुलिस का रवैया ठीक नहीं है। पुलिस की जवाबदेही तय होनी चाहिए और आम आदमी को न्याय एवं सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। वर्तमान हालात में जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है।

नाइट क्लबों पर भी उठाए सवाल

एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए खाचरियावास ने महिला अपराध और दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने दावा किया कि गैंगवार के मामलों में राजस्थान पहले स्थान पर है और पिछले तीन वर्षों में अपराध के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान नंबर वन है। मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जनता की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए, लेकिन सरकार का ध्यान दूसरे मुद्दों पर अधिक है। जयपुर के नाइट क्लबों के संचालन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय क्लबों के संचालन की समय सीमा रात 11:30 बजे तक निर्धारित थी, लेकिन अब क्लब पूरी रात चल रहे हैं। वहां गलत गतिविधियां हो रही हैं और पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस को बंधी देकर नियमों की अनदेखी की जा रही है। सरकार को इस मामले में सख्ती बरतनी चाहिए।

'सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे'

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने मुख्यमंत्री से कानून व्यवस्था पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि सरकार बताए कि राजस्थान में आम आदमी, व्यापारियों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं, यदि सरकार जवाब नहीं देती है तो वे राज्यपाल से मुलाकात करेंगे और जनता की सुरक्षा के मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। जयपुर में गैंगों की सक्रियता, अपहरण, हत्या और वसूली की घटनाएं सरकार के लिए गंभीर चुनौती हैं।

वृद्ध महिलाओं से जेवर चुराने वाली गुजराती गैंग का भंडाफोड़

जयपुर। भांकरोटा पुलिस ने वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाकर चोरी की वारदातें करने वाली गुजराती गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त ऑटो भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक ऑटो चालक और उसकी बुआ की लड़की शामिल है। गैंग की एक अन्य महिला साथी की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने जयपुर शहर में पहले भी इस तरह की कई वारदातें की हैं।



आरोपी कविता और क्रिश

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि जुगल किशोर मीणा निवासी पंचवटी कॉलोनी, कमला नेहरू नगर, भांकरोटा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी वृद्ध बहन छोटा देवी भाई दूज के अवसर पर अपने ससुराल डीसीएम, अजमेर रोड से उनके घर आ रही थीं। मजार कट भांकरोटा पर उतरने के बाद वह स्लिप लाइन केशोपुरा होते हुए पैदल जा रही थीं। इसी दौरान एक ऑटो चालक ने वाहन में पहले से बैठी दो महिलाओं के साथ उन्हें रोका। आरोपियों ने वृद्ध महिला से कहा कि माताजी आप वृद्ध हैं, ऑटो में बैठ जाइए, आपको घर छोड़ देंगे। उनकी बातों में आकर महिला ऑटो की बीच वाली सीट पर बैठ गई। कमला नेहरू नगर पुलिया के पास उतरने के बाद जब उन्होंने अपना गला संभाला तो सोने की ज्वैलरी गायब मिली। तब तक आरोपी ऑटो लेकर फरार हो चुके थे। इस संबंध में भांकरोटा थाने में मामला दर्ज किया गया। इधर घटना की गंभीरता को देखते हुए भांकरोटा थानाधिकारी दीपक त्यागी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। इसके आधार पर आरोपियों का रोडमैप तैयार कर उनकी पहचान की गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी क्रिश और उसकी बुआ की लड़की कविता परमार को वारदात में प्रयुक्त ऑटो सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गैंग के सदस्य जयपुर शहर में किराए का ऑटो लेकर घूमते थे और अकेली पैदल जा रही वृद्ध महिलाओं को निशाना बनाते थे। ऑटो में पहले से बैठी महिलाएं बुजुर्गों को घर छोड़ने का झांसा देकर वाहन में बैठा लेती थीं। इसके बाद बातचीत में उलझाकर या ध्यान भटका कर उनके गले की ज्वैलरी, पर्स में रखे रुपए और अन्य सामान चोरी कर लेते थे। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो जाते थे। भांकरोटा थानाधिकारी दीपक त्यागी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान क्रिश (19) निवासी कांगली जिला भावनगर, गुजरात हाल निवासी करणी विहार जयपुर तथा कविता परमार (25) निवासी पंजाब हाल निवासी करणी विहार जयपुर के रूप में की है। पुलिस गैंग की अन्य महिला साथी की तलाश कर रही है और आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों का सुराग जुटा रही है।

सार-समाचार

235 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त करके रोड रोलर से नष्ट कराए



जयपुर (कासं)। सड़क पर तेज धमाकों जैसी आवाज कर आमजन में दहशत फैलाने वाले दुपहिया वाहन चालकों के खिलाफ राजस्थान पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। कोटा शहर में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 235 दुपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की और उनके वाहनों से 235 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए। जब्त साइलेंसरों को रोड रोलर चलाकर नष्ट कर दिया गया। एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मॉडिफाइड साइलेंसर से अचानक तेज धमाकों जैसी आवाज निकलती है, जिससे राहगीरों और आमजन को परेशानी होती है। तेज आवाज से वाहन चालकों का ध्यान भी भटक सकता है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ऐसे साइलेंसर लगाना नियम विरुद्ध है और मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंडनीय है। एसपी गौतम ने बताया कि पुलिस अब मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करने वाले वाहन चालकों के साथ ही इन्हें लगाने वाले मिस्त्रियों और बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी। इसके लिए वाहन चालकों से मिली जानकारी के आधार पर संबंधित मिस्त्रियों और विक्रेताओं को चिह्नित किया जाएगा।

एसपीजी महिला विंग का स्नेह मिलन



जयपुर। एसपीजी इंडिया महिला विंग की ओर से 'माया महल' में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें रॉक डांस, फैंसी ड्रेस, भजन गायन और सांस्कृतिक नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। सदस्यों और उनके परिवारों ने उत्साह से भाग लिया। महिला विंग की अध्यक्ष गिर्राज देवी रावत ने कहा कि आज मोबाइल के बढ़ते उपयोग के कारण व्यक्तिगत और सामाजिक जुड़ाव कम हो रहा है। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य एक-दूसरे को बेहतर जानना और आपसी संबंधों को मजबूत करना है। सांस्कृतिक नृत्य में एल.एल. गुप्ता एवं द्रोपती देवी विजेता तथा कृष्ण अवतार एवं माया देवी उपविजेता रहे। भजन गायन में रामावतार खंडेलवाल, ललित एवं चंदा देवी विजेता और राजेश दालवाला एवं विमला देवी उपविजेता रहे। रॉक डांस में अमित दालवाला एवं वीनू देवी ने प्रथम तथा अंकित दालवाला एवं शुभ्रा देवी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में देवेश एवं ज्योति प्रथम रहे, जबकि पुलकित, प्रियांशी, शुभांक, यशु, श्रेया, आध्या और किविका उपविजेता रहे। समारोह में एसपीजी इंडिया के अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत सहित कार्यकारिणी सदस्य अरुण, जुगल किशोर, राजेश, गौरी शंकर, अवनीश, राहुल, रितेश और जयंत मौजूद रहे। इस दौरान स्वर्गीय राधेश्याम दालवाला और श्रीमती मनभरी देवी की शिक्षाओं को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

जबड़े के जोड़ की लाइव दूरबीन सर्जरी



जयपुर (कासं)। आरयूएचएस कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज के ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग एवं एओएमएसआई राजस्थान स्टेट चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में 12 और 13 नवंबर को 'टीएमजे आर्थ्रोस्कोपी' (जबड़े के जोड़ की दूरबीन सर्जरी) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उद्घाटन समारोह में एओएमएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आशीष गुप्ता मुख्य अतिथि तथा आरयूएचएस प्राचार्य डॉ. मनोज अग्रवाल और राजस्थान स्टेट डेंटल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. होती लाल गुप्ता विशिष्ट अतिथि रहे। आयोजन सचिव डॉ. संकल्प मित्तल ने बताया कि कनाडा के वरिष्ठ सर्जन एवं कोर्स मेंटर डॉ. विक्रम प्रभाकर चिकित्सकों को बिना बड़े चीरे वाली आधुनिक दूरबीन तकनीक का प्रशिक्षण दे रहे हैं। कार्यशाला में दो लाइव सर्जरी की गईं। पहले मामले में जबड़े के जोड़ की गद्दी खिसकने से चबाते समय आवाज और दर्द की समस्या का दूरबीन तकनीक से उपचार किया गया। दूसरे मामले में गद्दी फंसने से मरीज का मुंह दो उंगलियों से भी कम खुल रहा था। दूरबीन तकनीक से जोड़ की जकड़न खोलकर मुंह का सामान्य खुलना संभव बनाया गया। ज्ञात रहे कि 12 नवंबर को आरयूएचएस में लाइव सर्जरी के साथ बनीपार्क स्थित होटल ज़ोन बाय पार्क में सीधा प्रसारण और व्याख्यान आयोजित किए गए। इसके बाद 13 नवंबर को इसी होटल में ऑपरेशन के बाद मरीजों की स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा।

संग्रहालयों के पुनर्विकास पर चर्चा

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज पर्यटन भवन में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग तथा के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश के राजकीय संग्रहालयों में चल रहे पुनर्विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संग्रहालयों के पुनर्विकास से जुड़े सभी कार्यों की गुणवत्ता विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या निर्धारित मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं करने वाली संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के राजकीय संग्रहालय हमारी अमूल्य ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण, संवर्धन और बेहतर विकास करना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी राजस्थान की समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सकें।

"सांस" अभियान 28 फरवरी तक चलेगा

जयपुर। प्रदेश में 5 वर्ष तक के बच्चों में निमोनिया की रोकथाम, प्रभावी उपचार और जागरूकता के लिए 12 नवंबर से 28 फरवरी तक सांस अभियान संचालित किया जाएगा। साथ ही 15 से 21 नवंबर तक राष्ट्रीय नवजात सप्ताह मनाया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बाल मृत्यु दर कम करने और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रयासरत है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ के मार्गदर्शन में अभियान की तैयारियां की गई हैं। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने अभियान के क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशक आरसीएच डॉ. रोमेल सिंह ने बताया कि 'निमोनिया नहीं तो बचपन सही' थीम पर जिला, ब्लॉक और सेक्टर स्तर पर जागरूकता गतिविधियां होंगी। अस्पतालों में उपचार प्रोटोकॉल, जांच उपकरण और एंटीबायोटिक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। आशा सहयोगिनियां घर-घर जाकर बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान, प्रारंभिक उपचार, गंभीर मामलों को अस्पताल रेफर करने और उपचार के बाद फॉलोअप का कार्य करेंगी। परियोजना निदेशक बाल स्वास्थ्य डॉ. प्रदीप चौधरी ने बताया कि तेज सांस चलना, खांसी, बुखार, दूध या तरल पदार्थ नहीं पी पाना, उल्टी, दौरे पड़ना और अत्यधिक सुस्ती गंभीर निमोनिया के लक्षण हैं। ऐसे बच्चे को तत्काल नजदीकी राजकीय अस्पताल या चिकित्सक के पास ले जाएं।